31 AUG 2019

दृष्टि The Vision

drishti

# GENERAL STUDIES (Module – 10)

DTVF/19 (N-M)–M–**GS20**

| निर्धारित समय: तीन घंटे<br>*Time allowed: Three Hours* | अधिकतम अंक: 250<br>*Maximum Marks: 250* |
|---|---|

**Name:** Sandeep Kumar Patel **Mobile Number:**

**Medium (English/Hindi):** Hindi **Reg. Number:** IP-19 11121

**Center & Date:** Delhi, 31/08/19 **UPSC Roll No. *(If allotted)*:** 0867996

## प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

**कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:**
इसमें तेरह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

## QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

***Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:***
*There are **THIRTEEN** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*
*All the questions are compulsory.*
*The number of marks carried by a question is indicated against it.*
*Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.*
*Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.*
*Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.*

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

| Question Number | Marks | Question Number | Marks |
|---|---|---|---|
| 1 (a) | | 6 (b) | |
| 1 (b) | | 7 (a) | |
| 2 (a) | | 7 (b) | |
| 2 (b) | | 8 | |
| 3 (a) | | 9 | |
| 3 (b) | | 10 | |
| 4 | | 11 | |
| 5 (a) | | 12 | |
| 5 (b) | | 13 | |
| 6 (a) | | | |
| Grand Total ( सकल योग ) | | | |

मूल्यांकनकर्त्ता ( हस्ताक्षर )
*Evaluator (Signature)*

पुनरीक्षणकर्त्ता ( हस्ताक्षर )
*Reviewer (Signature)*

## खंड - क/ SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. (a) मानव आचरण के तरीके को निर्धारित करने में नैतिक सापेक्षवाद की भूमिका नैतिक निरपेक्षता की तुलना में अधिक महत्त्वपूर्ण है। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द)

Moral relativism has a more important role in determining the course of human conduct than ethical absolutism. Examine. (150 Words) 10

नैतिक मूल्यों को समाज में मूर्त रूप देने के लिये 'आचरण' की व्यवस्था की जाती है। उदाहरण के लिये यदि बड़ों का सम्मान करना एक मूल्य है तो भारतीय समाज में 'पैर छूने' का आचरण किया जाता है।

| नैतिक सापेक्षवाद | नैतिक निरपेक्षता |
|---|---|
| → विभिन्न नैतिक मूल्यों एवं आचरणों को अन्य मूल्यों से तुलना करना। | → नैतिक निरपेक्षता से आशय विभिन्न नैतिक पक्षों या मूल्यों के अलग-अलग होने से है। |
| → एक मूल्य का अन्य मूल्य से प्रभाव | उदा० किसी में ईमानदारी का मूल्य होना किंतु दूसरों के भ्रष्टाचार पर चुप रहना। |
| → किसी व्यक्ति के एक आचरण से अन्य मूल्यों का प्रभावित होना। | |



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

## नैतिक सापेक्षवाद की भूमिका

① मानव आचरण एक-दूसरे से सीखे जाते हैं।

② नैतिक सापेक्षवाद के द्वारा आचरण प्रभावित होते हैं क्योंकि एक आचरण दूसरे से निरपेक्ष नहीं रहता।।

उदाहरण के लिये - यदि एक व्यक्ति अत्यधिक सहृदय एवं करुणा से भरा है तो वह इसके लिये कोई आचरण जैसे गरीबों को दान देना आदि करेगा।। किंतु इसके ऐसा करने से अन्य भी प्रभावित होंगे।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) एक लोक सेवक के लिये कानून और अंतरात्मा के मध्य का चुनाव हमेशा कठिन होता है। एक उपयुक्त उदाहरण के साथ ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली दुविधा को स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द)

Between law and conscience, the choice of a public servant is always difficult. Explain the dilemma arising in such a situation with an appropriate example. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

| कानून | अंतरात्मा |
|---|---|
| → राज्य द्वारा निर्मित | → नैतिक नियमों द्वारा |
| → पालन न करने पर सजा का भय | → पाप का भय |
| → वस्तुनिष्ठता | → आत्मनिष्ठता |

एक लोकसेवक के द्वारा कार्य करने के लिये तीन स्थितियाँ होती हैं-

- कानून में वैध → करना है
- न वैध न अवैध → अंतरात्मा का प्रयोग
- कानून में अवैध → नहीं करना

लोकसेवक के मध्य कानून और अंतरात्मा के मध्य चुनाव हमेशा कठिन होता है। इसे एक उदाहरण से



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

समझ सकते हैं -

माना एक वृद्ध औरत जिले के जिलाधिकारी के पास किसी योजना का लाभार्थी बनने की गुहार लेकर आई है। किंतु वह उन मानदंडों का पालन नहीं करती है। जिलाधिकारी देखता है कि वृद्ध औरत की स्थिति अत्यंत चिंतनक है एवं वह वंचित वर्ग से भी है।

ऐसी स्थिति में उसकी अंतरात्मा वृद्धा की सहायता करना चाहती है किंतु कानून उसे इसकी इजाजत नहीं देता है। अतः कानून एवं अंतरात्मा के मध्य दुविधा उत्पन्न हो जाती है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिख
चाहिये।
(Candidate must n
write on this marg



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. (a) यदि भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ाई को संस्थागत रूप दिया जाता है, तो इस पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाया जा सकता है, जबकि व्यक्तिगत पहल की अपनी सीमाएँ हैं। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द)

Corruption can be effectively curbed if the fight against it is institutionalised, as the individual initiative has its limitations. Comment. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भ्रष्टाचार की स्थिति तब उत्पन्न होती है जब कोई व्यक्ति सत्यनिष्ठा, ईमान-दारी एवं कर्त्तव्यपरायणता के गुण का पालन करे।

भ्रष्टाचार को रोकने के लिये व्यक्तिगत पहल आवश्यक है क्योंकि यह निजी मूल्यों को सुधार कर ही ठीक किया जा सकता है। किंतु व्यक्तिगत पहल में अनेक सीमाएँ हैं —

(1) सभी व्यक्तियों के मूल्यों में परिवर्तन संभव नहीं।

(2) व्यक्तिगत पहल ज्यादा से ज्यादा एक विभाग तक ही प्रभावी।

(3) व्यक्ति को हिंसा, घृणा आदि का खतरा।

(4) प्रभावी रोकथाम एवं समाधान नहीं।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अतः भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप से एक व्यवस्थित तंत्र बनाकर ही कम किया जा सकता है। इसके लाभ -

(1) वृहद स्तर पर निगरानी।
(2) तकनीक का बेहतर प्रयोग।
(3) व्हिसल ब्लोअर्स की सुरक्षा।
(4) पकड़ने पर सजा का भय।
(5) बड़े स्तर पर प्रभावी एवं रोकथाम।

अतः सरकार द्वारा डिजिटलीकरण, व्हिसलब्लोअर्स एक्ट, भ्रष्टाचार अपराध अधिनियम आदि के माध्यम से संस्थागत रूप प्रदान किया जा रहा है। किंतु जब तक प्रत्येक व्यक्ति सत्यनिष्ठा का मूल्य धारण नहीं करेगा, इसकी सफलता संदिग्ध है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) शासन में शुचिता बढ़ने से हमेशा भ्रष्टाचार में कमी नहीं होती है। क्या आप इस बात से सहमत हैं? उदाहरण सहित अपने तर्क को प्रमाणित कीजिये। (150 शब्द)

Increase of probity in governance does not always result in decrease of corruption. Do you agree? Substantiate your argument with examples. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शासन में शुचिता किसी भी राजव्यवस्था के बेहतर कार्यान्वयन के लिये जरूरी है। इसलिये सरकार द्वारा RTI, सिटीजनचार्टर, सेवोत्तम मॉडल जैसे प्रावधान किये जाते हैं ताकि शुचिता सुनिश्चित हो सके।

किंतु कई बार शुचिता बढ़ने के बावजूद भ्रष्टाचार में कमी नहीं होती क्योंकि भ्रष्टाचार किसी अन्य तरीके से चलता रहता है।

उदाहरण के लिये एक जिलाधिकारी बेहतर तरीके से कार्य करता है, सभी योजनाओं एवं नीतियों का नियमन भी प्रभावी रूप से लागू कर रहा है। इसकी वजह से उस जिले के किसानों,



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गरीबो, मजदूरों, वंचितों, व्यापारियों सभी को लाभ हो रहा है। विभिन्न उपायों द्वारा शासन में ~~सुचिता~~ शुचिता सुनिश्चित हो रही है।

किंतु यही अधिकारी विभिन्न विभागों के कर्मचारियों से मीटिंग में लिफाफे में पैसा लेता है अन्यथा वह उनके काम को गलत तरीके से पेश करने की धमकी देता है। इस प्रकार शासन में शुचिता होने के बावजूद भ्रष्टाचार विद्यमान है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
*Copyright – Drishti The Vision Foundation*

drishti | दृष्टि The Vision

3. (a) अभिवृत्ति पद से आप क्या समझते हैं? क्या विभिन्न प्रकार की अभिवृत्तियाँ एक दूसरे को प्रभावित कर सकती हैं? (150 शब्द)

What do you understand by the term attitude? Can different types of attitude influence each other? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

'अभिवृत्ति' से आशय किसी व्यक्ति का किसी मनोवैज्ञानिक विषय के प्रति सकारात्मक, नकारात्मक या उभयनिष्ठ रुझान से है।

**मनोवैज्ञानिक विषय** - ऐसा विषय जो सोचा जा सके। जैसे - व्यक्ति, वस्तु, विचार, राय आदि

रुझान
- संज्ञानात्मक - जानकारी, सूचना
- भावनात्मक - भावनाएँ
- व्यवहारात्मक - कार्य करना या इसकी स्थिति

उदाहरण के लिये, यदि किसी में शाकाहार के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति है तो उसके मन में शाकाहार के बारे में



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कुछ जानकारी या सूचनायें होगी जिन्हें संज्ञानात्मक पक्ष कहा जायेगा।
शाकाहारी वस्तुओं के प्रति इसके मन में अच्छी भावना होगी तथा वह केवल शाकाहार भोजन करेगा।

**अभिवृत्ति का एक दूसरे पर प्रभाव**

(1) एक अभिवृत्ति दूसरी अभिवृत्ति से प्रभावित हो सकती है। जैसे - (a) गजल सुनने वाला व्यक्ति पॉप डांस को पसंद नहीं करेगा।

(b) काले व्यक्तियों को ना पसंद करने वाला व्यक्ति उनसे संबंधित अन्य चीजों को भी पसंद ना करे।

(c) कभी-कभी दो अलग-अलग अभिवृत्तियाँ हो सकती हैं जो एक-दूसरे को प्रभावित न करे।
जैसे - sad song सुनने वाला व्यक्ति कॉमेडी शो भी देखे।


Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. (b) निर्णयन लेने में विवेक की भूमिका का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द)

Analyze with an example, the role of discretion in decision making. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

निर्णयन लेने में 'विवेक' की भूमिका प्राय: रहती है। किंतु एक लोकसेवक को निर्णय लेने में दो स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है –

- नियम स्पष्ट हैं
  ↓
  निर्णय लेने में कानून का प्रयोग
  ↓
  विवेक (discretion) का नहीं

- नियम अस्पष्ट हैं।
  ↓
  निर्णय लेने में विवेक एवं अंतरात्मा का प्रयोग

Eg – ① किसी सरकारी योजना में हितधारक स्पष्ट न होने पर अधिकारी द्वारा विवेक का प्रयोग करना

② किसी वंचित वर्ग के लिये बनी नीति को लागू करने में कठिनाई या



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

समस्या होने पर विवेक का प्रयोग कर स्थिति से निपटना।

इसके अलावा किसी भी निर्णय लेने में बुद्धिमत्ता का प्रयोग होता है। चूँकि बुद्धिमत्ता का संबंध विवेक से भी है, अतः कहा जा सकता है कि निर्णय लेने में विवेक की भूमिका अनिवार्य है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must no write on this margi



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. उपयुक्त उदाहरणों के साथ निम्नलिखित पदों के बीच के संबंध को समझाइये: (150 शब्द)

Explain with appropriate examples the relationship between the following terms: (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(a) ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा (Honesty and Integrity)

| सत्यनिष्ठा | ईमानदारी |
|---|---|
| मूल्यों को मन, वचन, कर्म से लागू करना एवं नैतिक नियमों में आंतरिक सुसंगति होना।<br>→ व्यापक अवधारणा | किसी नैतिक मूल्य की अवहेलना न करना<br>→ सत्यनिष्ठा से कम व्यापक |

उदाहरण - एक व्यक्ति ईमानदार है एवं वह अपने विभाग में भ्रष्टाचार नहीं करता किंतु अपने अन्य कर्मचारियों के द्वारा किये जाने वाले भ्रष्टाचार के प्रति चुप रहता है तो ऐसा व्यक्ति ईमानदार कहा जायेगा किंतु सत्यनिष्ठ नहीं।

इस प्रकार ईमानदार व्यक्ति सत्यनिष्ठ नहीं भी हो सकता, किंतु सत्यनिष्ठ व्यक्ति का ईमानदार होना अनिवार्य है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) शासन, सुशासन तथा कॉर्पोरेट प्रशासन (Governance, Good governance and Corporate governance)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must no write on this margi

शासन - निश्चित नियमों के साथ देश या राज्य का शासन चलाना

सुशासन - शासन के साथ प्रत्येक व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेहिता एवं वंचित वर्गों का कल्याण शामिल।

eg - RTI के द्वारा शासन, डिजिटलीकरण का प्रयोग आदि सुशासन की दिशा में कदम हैं।

कॉर्पोरेट प्रशासन - किसी व्यावसायिक कंपनी का अपने मालिक एवं शेयरधारकों के साथ-साथ हितधारकों का भी ख्याल रखा जाना। इसके लिये आवश्यक है कि-

(i) कंपनी में पारदर्शिता हो - निर्णयों में
(ii) सभी निर्णय शेयरधारकों की सहमति से
(iii) अन्य हितधारकों का भी ख्याल रखा जाना।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. (a) क्या आप इस बात से सहमत हैं कि कभी-कभी नियम एवं कानून समाज में नैतिक भ्रष्टाचार का आधार बन जाते हैं? (150 शब्द)

Do you agree that sometimes rules and laws become the basis for moral corruption in society? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नियम एवं कानून प्रायः व्यवस्था के समुचित संचालन के लिये बनाये जाते हैं ताकि-

(1) स्पष्ट दिशानिर्देश प्राप्त हो सकें।

(2) मूल्यों एवं आचरणों तथा कोड ऑफ कंडक्ट की जानकारी हो।

(3) कर्मचारियों में समन्वय

(4) भ्रष्टाचार में कमी।

किंतु कभी-2 नियम एवं कानून नैतिक भ्रष्टाचार का कारण बनते हैं।

'नैतिक भ्रष्टाचार' से आशय ऐसे भ्रष्टाचार से है जिसे नियमों एवं कानूनों से मान्यता दे दी हो।

**कारण**

→ अस्पष्ट एवं अपूर्ण नियम।

→ समय के साथ नियमों एवं कानूनों का अप्रासंगिक हो जाना।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

↳ नियमों एवं कानूनों में कमजोरी आ जाना फलतः भ्रष्टाचार बढ़ना।

**उदाहरण**

1. अधिकारी से अनुमति लेने पर रिश्वत की माँग
2. वकीलों द्वारा उच्च अधिकारियों से सहमति कराने पर रिश्वत की माँग
3. ठेकेदारी / contracting में स्पष्टतः भ्रष्टाचार होता है।

---



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. (b) कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) तथा इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई.ओ.टी.) के लिये एक नैतिक ढाँचे को विकसित करने की आवश्यकता पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द)

Discuss the need for developing an ethical framework for Artificial Intelligence (AI) and Internet of Things (IoT). (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं इंटरनेट ऑफ थिंग्स से जुड़े नैतिक मुद्दे -

(1) बेरोजगारी - ए.आई., I.O.T से अनेक कार्य मशीनें करने लगेंगी।

(2) मानव-मानव संबंधों की कमी - मशीनों के स्मार्ट होने से यांत्रिकता को बढ़ावा

(3) मानव के अस्तित्व को खतरा - अभी तक मनुष्य सर्वोच्च प्रजाति है।

(4) नस्लीय भेदभाव होने की संभावना - क्योंकि A.I. का विकास पश्चिमी देशों में हुआ है।

(5) संबंधों में यांत्रिकता को बढ़ावा

अतः ए.आई. एवं आई.ओ.टी. के लिये एक नैतिक ढाँचा विकसित



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

करने की आवश्यकता है जो अनुचित नैतिक मुद्दों का प्रभावी समाधान कर सके।

**आगे की राह**

- मशीनों एवं ए.आई. को नियंत्रित करने की आवश्यकता।
- ऐसे कार्य सौंपे जाये जो मनुष्य के लिये अवांछित हो।
- मनुष्य के आपसी नैतिक मूल्यों की क्षति के बिना इनका विकास किया जाये।
- मानव-रोबोट सहअस्तित्व पर बल

चूंकि इन तकनीकों का उद्देश्य मानव के गरिमामय जीवन को बढ़ाना है अतः यह ध्यान रखा जाना चाहिये कि मनुष्य-मनुष्य संबंध सुदृढ़ रहें।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. (a) कार्य संस्कृति क्या है? क्या आपको लगता है कि विभिन्न प्रकार के संगठनों में अलग-अलग कार्य संस्कृति पाई जाती है? (150 शब्द)

Explain what is work culture. Do you think that different types of organizations have different work culture? (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कार्य संस्कृति

→ कार्य की प्रकृति के अनुसार नियम एवं मान्यतायें

→ विभिन्न कर्मचारियों की कार्य के अनुसार समान एवं पारस्परिक संबंध

→ आपसी संबंधों की स्थिति

प्रत्येक प्रकार के संगठनों में समान कार्य संस्कृति होने के साथ-साथ कुछ मात्रा में अलग-अलग कार्य संस्कृति विद्यमान होती है।

(1) हॉस्पिटल में डॉक्टर-नर्स एवं मरीज के बीच कार्य संस्कृति में अधिक सामंजस्य, सद्भाव एवं अनौपचारिकता की उपस्थिति।

(2) किसी सरकारी विभाग के मध्य



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

विभिन्न पद-सोपानों के बीच तालमेल के साथ-साथ औपचारिकता एवं दूरी भी।

(3) विद्यालयों में शिक्षकों के मध्य कार्य संस्कृति अलग होगी क्योंकि उन्हें एक-दूसरे के पूरक के रूप में कार्य करना है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. (b) मानवीय मूल्यों तथा अन्य मूलभूत मूल्यों के बीच संघर्ष में मानवीय मूल्यों की जीत होनी चाहिये। क्या आप इससे सहमत हैं? उदाहरण सहित अपने तर्क को सिद्ध कीजिये। (150 शब्द)

In case of conflict between human values and other fundamental values, the former should triumph. Do you agree? Justify your argument with an appropriate example. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मूल्य वे अमूर्त विषय होते हैं जो नैतिक व्यवस्था के संचालन में आवश्यक होते हैं। नैतिक होने के लिये व्यक्ति में सकारात्मक मूल्यों का होना अनिवार्य है।

मानवीय एवं अन्य मूलभूत मूल्य प्रकृति के सुचारू संचालन में भूमिका निभाते हैं। मानवीय मूल्यों में हम सत्य, न्याय, अहिंसा, सद्भाव जैसे मूल्यों को रख सकते हैं तो अन्य मूलभूत मूल्यों में मानवता, प्राणी मात्र के प्रति दया, पर्यावरण प्रेम, सहिष्णुता, आदि शाश्वत मूल्यों को रख सकते हैं।

गौरतलब है कि किसी भी मानवीय मूल्य या मूलभूत मूल्य में



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

संघर्ष नहीं होना चाहिये। किंतु यदि संघर्ष होता है तो हमें दोनों के मध्य सामंजस्य करना होगा और मूल्यों का एक निश्चित सोपानुक्रम स्थापित करना होगा। उदाहरण के लिये -

(1) जलवायु परिवर्तन के समय हमें पर्यावरण के प्रति प्रेम को अन्य मूल्यों से प्राथमिकता देनी होगी।

(2) विभिन्न प्रजातियों के संघर्ष में मानवता के मूल्य को प्राथमिकता देनी होगी।

इस प्रकार प्रत्येक मूल्य नैतिक एवं सामाजिक व्यवस्था के संचालन में अनिवार्य है।

उम्मीदवार को
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate mu
write on this m



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. (a) समूह, भीड़ और उपद्रवी भीड़ जैसे विभिन्न विन्यासों में मानव के आचरण पर सामाजिक प्रभाव और अनुनयन के प्रभाव का विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द)

Analyze the impact of social influence and persuasion on the conduct of human beings in different settings like group, crowd and mob. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सामाजिक प्रभाव - समाज के किसी मूल्य या आचरण का सभी पर वृहद स्तर पर प्रभाव होना।

अनुनयन - किसी व्यक्ति की अभिवृत्ति में परिवर्तन के लिये किया गया संवाद या कृत्य।

**मानव के आचरण पर प्रभाव**

① अनुनयन यदि प्रभावी व्यक्तित्व द्वारा किया जाये तो यह मानव आचरण पर प्रभाव डालता है। समूह, भीड़ एवं उपद्रवी भीड़ में इसका प्रभाव घातक होता है। उदाहरण के लिये- हाल ही में कर्नाटक के पास एक इंजीनियर की भीड़ द्वारा हत्या इसी अनुनयन का प्रभाव है जिसके लिये



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

मोबाइल का उपयोग किया गया।

(2) सामाजिक प्रभाव वृहद स्तर पर मानव के आचरण पर पड़ता है। जैसे- वर्तमान में किसी सेलिब्रिटी द्वारा कोई नई फैशन अपनाने पर इसका तीव्र सामाजिक प्रभाव होता है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. (b) लोक सेवकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विकास की चुनौतियों की चर्चा कीजिये। (150 शब्द)

Discuss the challenges of inculcating emotional intelligence in public servants.

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

अपने एवं दूसरों की भावनाओं को समझना, एवं प्रबंधित करने की क्षमता को भावनात्मक बुद्धिमत्ता कहते हैं। इसके चार आयाम हैं -

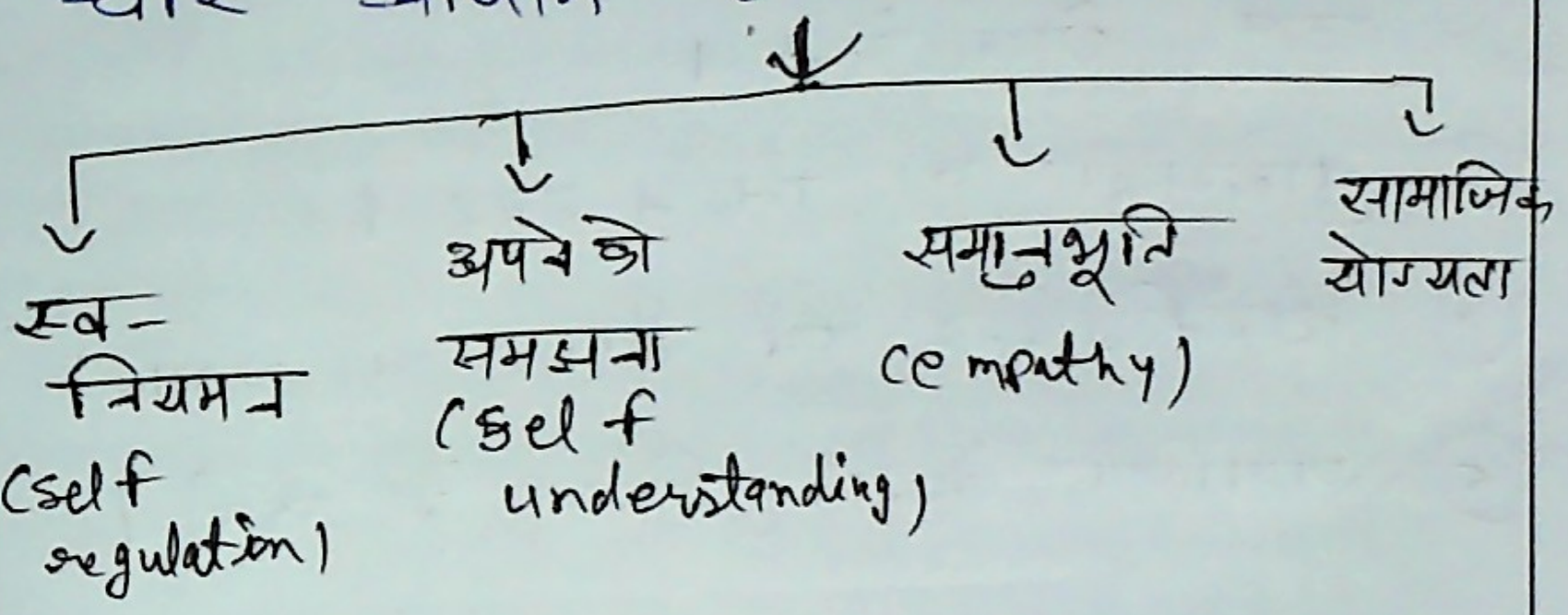


लोकसेवकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विकास के लाभ -

(1) तनाव में कमी

(2) कर्मचारी प्रबंधन एवं कार्य संस्कृति

(3) स्वास्थ्य में सुधार

(4) जनता की भावनाओं को समझना

(5) राजनीतिक दबाव को झेलना



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विकास में चुनौतियाँ –

(1) स्व-नियमन एवं स्वयं की भावनाओं को समझने की चुनौतियाँ।

(2) दूसरों की भावनाओं को समझकर उसे धोखा देना।

(3) बुद्धिमत्ता का निम्न स्तर।

(4) अंतर्वैयक्तिक ~~एवं~~ कौशल का अभाव।

(5) सामाजिक ~~बोध~~ बुद्धिमत्ता में कमी।


Copyright – Drishti The Vision Foundation

## खंड - ख/ SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

8. अमृता एक सरकारी विभाग में युवा आई.ए.एस. अधिकारी हैं। इस विभाग में कुछ समय कार्य करने के पश्चात् उसे ज्ञात होता है कि महिला कर्मचारियों का पद पुरुष कर्मचारियों की तुलना में गौण है। पुरुष कर्मचारी वरिष्ठ महिला अधिकारियों से आदेश नहीं लेना चाहते हैं; इसके अतिरिक्त महिलाओं को महत्त्वपूर्ण विभागीय परियोजनाओं में शामिल नहीं किया जाता है और उनका उपहास बनाया जाता है, और यहाँ तक कि इस प्रकार की परियोजनाओं में शामिल होने से भी हतोत्साहित किया जाता है।

अमृता को अनौपचारिक माध्यम से ज्ञात होता कि विभाग प्रमुख भी इसी मानसिकता एवं मान्यताओं का अनुगामी है और उसका मानना है कि महिलाओं को इस विभाग में नहीं भेजा जाना चाहिये।

अमृता द्वारा कौन-से कदम उठाए जाने चाहिये जिससे कार्य संस्कृति महिलाओं के अनुकूल हो।

(250 शब्द)

Amrita, a young IAS officer, has joined a government department. After working for a while in this department, she realizes that position of women staff is subservient to male staff. Male staff don't want to take orders from senior women officers. Moreover, women are not taken on serious departmental projects and are derided, and even discouraged even from attempting such a project.

Amrita through informal channels comes to know that even the Head of the Department is of the same mindset and believes that women should not be sent to this department.

Discuss the course of action Amrita should take so that the work culture becomes conducive for women.

(250 Words) 20

अमृता के समक्ष जो समस्या है, इसका निम्न प्रकार से विश्लेषण किया जा सकता है -

(1) विभाग प्रमुख की पितृसत्तामक मानसिकता

(2) विभाग में महिलाओं को महत्वपूर्ण कार्य के लिये हतोत्साहित किया जाना।

(3) कनिष्ठ पुरुष कर्मचारियों द्वारा वरिष्ठ महिला कर्मचारियों को सम्मान न देना।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

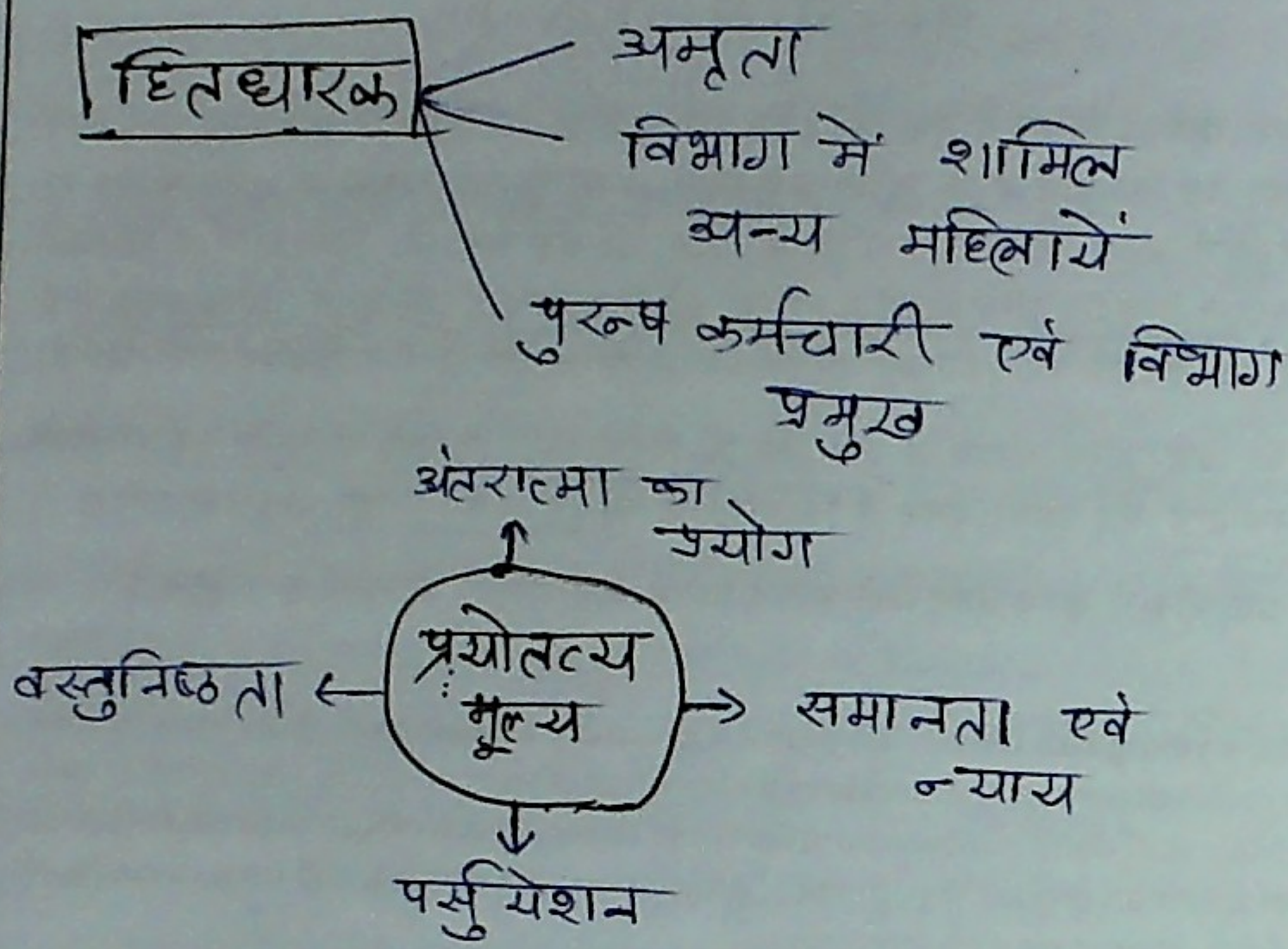


## उठाये गये कदम

① सबसे प्रथम कदम यह होगा कि मैं अपने साथी कर्मचारियों एवं अधीनस्थों को वार्ता एवं समझाकर उनकी इस मानसिकता को दूर करने का प्रयास करूँगी।

(2) महत्वपूर्ण कार्यों को मैं पूरी लगन के साथ करूँगी एवं यदि मुझे निर्णय करने का मौका मिलता है तो मैं लिंग ~~समानता~~



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

से निरपेक्ष होकर महिलाओं को भी महत्वपूर्ण परियोजनाओं में भागीदार बनाऊँगी।

(3) अन्य महिला साथियों से इस व्यवहार के बारे में अवगत कराऊँगी तथा उन्हें भी इसी तरह प्रेरित करूँगी कि वे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल होकर इस मानसिकता को गलत साबित करने की कोशिश करें।

(4) जो पुरुष कर्मचारी अपने से वरिष्ठ महिला कर्मचारी का सम्मान नहीं करता तो उसके खिलाफ उच्च अधिकारियों को शिकायत करूँगी। यदि संभव हुआ तो मैं कार्यवाही करूँगी।

(5) विभाग के प्रमुख को मैं विश्वास दिलाऊँगी ताकि उसका मत बदल सके।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)


Copyright – Drishti The Vision Foundation

इस प्रकार इन कदमों के माध्यम से मैं कार्य संस्कृति को बदलने का सार्थक प्रयास करूँगी।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदव
हाशिये
चाहिये।
(Candid
write or

9. राज्य के एक पिछड़े जिले में विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति में अचानक आई गिरावट के पश्चात् यह पाया गया कि उच्च जाति के लोग अपने बच्चों को विद्यालय जाने की अनुमति नहीं दे रहे हैं क्योंकि विद्यालय में निम्न जाति के बच्चों को दाखिला दिया गया है।

उच्च जाति के लोग दबाव बना रहे हैं कि उनके बच्चे न तो निम्न जाति के बच्चों के साथ बैठेंगे और न ही उनके साथ भोजन करेंगे। उच्च जाति के लोग अपने निर्णय पर अटल हैं और चाहते हैं कि विद्यालय प्रशासन निम्न जाति के बच्चों को पहले विद्यालय से निष्कासित करें और इसके पश्चात् ही उनके बच्चे विद्यालय जाएंगे।

(a) उपरोक्त मामले में निहीत नैतिक मुद्दों की चर्चा कीजिये।

(b) ज़िलाधिकारी के रूप में आप उन्हें अपने बच्चों को विद्यालय भेजने हेतु तैयार करने के लिये कौन-से प्रभावी उपाय अपनाएंगे? (250 शब्द)

In a backward district of a state, after a sudden drop in school attendance, it was found that the upper caste people are not allowing their children to go to school because the school has admitted children from the lower caste.

Upper caste people are insisting that their children will not sit or have food with lower caste children. Upper caste people are adamant on their position and want school administration to first expel the lower-caste students from the school and then only their children will attend school.

(a) Discuss the ethical issues in the above case.

(b) As a District Magistrate, what effective measures will you undertake to convince them to send their children to school? (250 Words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

समस्या का विश्लेषण

→ उच्च जाति के लोगों द्वारा निम्न जाति के बच्चों को निष्कासित करने का दबाव (Art 17 एवं समानता का अधिकार)

→ बच्चों की शिक्षा को खतरा एवं उत्पन्न व्यवधान (शिक्षा का अधिकार)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

**हितधारक**
- उच्च जाति के बच्चे एवं उनके माता - पिता
- निम्न जाति के बच्चे एवं उनके माता - पिता

**प्रयुक्त मूल्य**
- वस्तुनिष्ठता एवं निष्पक्षता
- गैर - तरफदारी
- समानता एवं बंधुत्व
- पर्युपेक्षण

## मामले में प्रमुख नैतिक मुद्दे

(1) वंचित वर्ग के बच्चों की शिक्षा बनाम अस्पृश्यता का मुद्दा

(2) समानता बनाम भेदभाव का मूल्य

(3) जातिवादी मानसिकता एवं सामाजिक न्याय का मूल्य

## उपाय एवं समाधान

(1) सबसे पहले में उच्च जाति के लोग जो अपने बच्चों को विद्यालय नहीं भेज



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

रहे हैं, उनसे वार्ता करूँगा एवं उन्हें समझाने की कोशिश करूँगा कि-

(1) बच्चों को विद्यालय भेजना उनके हित में है।

(2) इससे उनके बच्चों का भविष्य बेहतर होगा।

(2) दूसरा कदम यह होगा कि यदि वो नहीं मानते हैं तो उन्हें भय दिखाऊँगा कि अस्पृश्यता का आचरण संविधान के खिलाफ है अतः उन पर कार्यवाही की जा सकती है।

(3) दोनो वर्गों के लोगों के मध्य सुलह कराने का प्रयास करूँगा। क्योंकि यदि दोनो वर्गों के मध्य संवाद होता है तो संभावना है कि मामला सुलझ जायेगा।

(4) अन्य गाँवों तथा देश के महत्वपूर्ण लोगों

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के उदाहरण के माध्यम से उनके मन में समानता का मूल्य व उत्पन्न करने की कोशिश करेंगा।

मुझे आशा है कि इन प्रयासों से उन बच्चों को विद्यालय वापस लाया जा सकेगा।

---



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. आप एक सरकारी विभाग के लेखा परीक्षक हैं। आपका पुत्र एक व्यवसाय शुरू कर रहा है और इसके लिये उसे उस बैंक से बड़ी मात्रा में ऋण की आवश्यकता है, जिस बैंक का आप लेखा परीक्षण कर रहे हैं। लेकिन वह अपने अनुपयुक्त सिबिल स्कोर (खराब क्रेडिट रेंटिंग) के फलस्वरूप बैंक से ऋण प्राप्त करने में असमर्थ है। इसके अलावा आप ऋण नहीं ले सकते हैं क्योंकि यह राशि आपकी वेतन सीमा से बहुत अधिक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जब आप बैंक के खातों का परीक्षण करते हैं, तो आपको ज्ञात होता है कि इसके तुलन-पत्र में गोपनीय तनावग्रस्त परिसंपत्तियाँ शामिल हैं। हालाँकि बैंक का एक सहायक महाप्रबंधक आपको तुलन-पत्र को संतुलित दिखाने के बदले सहायता का प्रस्ताव रखता है।

(a) उपरोक्त स्थिति में किन मूल्यों के मध्य में संघर्ष की स्थिति है, चर्चा कीजिये।

(b) आपके समक्ष कौन-कौन से विकल्प हैं? प्रत्येक विकल्प के लिये तर्क भी प्रस्तुत कीजिये।

(250 शब्द)

You are an auditor with a government department. Your son is starting a business and for that he needs large amount of loan from a bank you are auditing. But he couldn't secure a loan from the bank because of his bad CIBIL score. Moreover, you cannot take the loan as the amount far exceeds your salary range.

When you scrutinize the accounts of the bank, you find that its balance sheet has hidden stressed assets. However, one Assistant General Manager of the bank offers you help in return of a favour that you fudge the balance sheet of the bank.

(a) What are the values in conflict in the above situation?

(b) What are the various options before you? Also provide justification for each of the option.

(250 Words) 20

(a) उपरोक्त स्थिति में निम्न मूल्यों के मध्य संघर्ष की स्थिति है -

(i) व्यक्तिगत हित बनाम सार्वजनिक हित का मूल्य - यदि मैं बैंक महाप्रबंधक का ऑफर स्वीकार करता हूँ तो मेरा व्यक्तिगत हित होगा किंतु सार्वजनिक या सरकार को हानि होगी।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीद
हाशिये
चाहिये
(Cand
write

(iii) भ्रष्टाचार बनाम ईमानदारी का मूल्य-
मेरे द्वारा बैंक के तुलन-पत्र को साफ दिखाने से भ्रष्टाचार की अनदेखी होगी।

ⓑ उपलब्ध विकल्प

① पहला विकल्प यह होगा कि मैं बैंक के महाप्रबंधक का ऑफर स्वीकार कर लूँ।

लाभ
→ बेटे को ऋण की प्राप्ति अतः व्यक्तिगत लाभ
→ प्रबंधक एवं बैंक को लाभ
→ मेरा प्रबंधक के साथ रिश्ता मजबूत - भविष्य में लाभ

हानि
→ सार्वजनिक रूप से अहित
→ भ्रष्टाचार को बढ़ावा
→ टैक्स मे कमी
→ बैंक गलत कार्य के लिये अधिक प्रोत्साहित


www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(2) दूसरा विकल्प यह होगा कि मैं बैंक के तुलन पत्र की गोपनीय जानकारी को उजागर कर दूँ।

**लाभ**

- दबावग्रस्त संपत्ति के खुलासे से बेहतर प्रबंधन
- सरकार को लाभ

**हानि**

- प्रबंधक एवं बैंक को हानि
- सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी
- रिश्तों में कड़वाहट

(3) तीसरा विकल्प मध्य का रास्ता होगा जिसके अंतर्गत मैं निम्न कदम उठाऊँगा -

(क) बैंक प्रबंधक की सहायता को अस्वीकार कर दूँगा।

(ख) उसे बाध्य करूँगा कि वह स्वतः ही गोपनीय परिसंपत्ति को सामने लाने के लिये



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

तैयार हो जाये, अन्यथा वह ऐसा कर देगा।

(ग) इसकी बैलेंस-शीट से गोपनीय जानकारी ठीक कर दूँगा एवं सरकार को भी लाभ हो

**लाभ**

→ सामाजिक छवि को नुकसान नहीं।
→ सरकार को भी हानि नहीं।

तीसरा विकल्प ही श्रेष्ठ है अतः मैं इसी का चयन करूँगा।

---



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
*Copyright – Drishti The Vision Foundation*

11. झारखंड के कई गाँवों ने पत्थलगड़ी का सहारा लिया है- यह अपने गाँव के क्षेत्राधिकार के सीमांकन के लिये पत्थर के स्मारकों की स्थापना की एक आदिवासी परंपरा है। इसमें संविधान की पाँचवीं अनुसूची के तहत अपने क्षेत्रों में स्वायत्तता और स्व-शासन की घोषणा की जाती है।

इन इलाकों में सरकारी कर्मचारियों सहित किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश करने की अनुमति नहीं है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

विभिन्न स्रोतों से यह पता चला है कि आदिवासी, राज्य और केंद्र सरकार से खुश नहीं हैं क्योंकि वे हाशिये पर हैं और उपेक्षित महसूस करते हैं और परंपरागत रूप से अपने नियंत्रण वाले संसाधनों की लूट का अनुभव कर रहे हैं। वे अपनी दुर्दशा के लिये नए कानून और विकासात्मक गतिविधियों को जिम्मेदार ठहराते हैं।

मान लीजिये कि आप एक ऐसे प्रभावित क्षेत्र के ज़िलाधिकारी हैं, जहाँ यह आंदोलन चल रहा है, तो आप लघुकालिक के साथ-साथ दीर्घकालिक आधार पर मुद्दों से निपटने के लिये क्या रणनीति अपनाएंगे? अपनी रणनीतियों के लिये तर्क दीजिये। (250 शब्द)

Several villages in Jharkhand have resorted to Pathalgarhi – a tribal tradition of erecting stone slabs to demarcate the area of their villages' jurisdiction, declaring their autonomy and self-rule in the areas under the Fifth Schedule of the Constitution.

In these localities, no outsider including the government servants are allowed. From various sources, it has come to be known that tribals are not happy with the state and central government as they feel ignored, marginalized and have been experiencing the plunder of their resources on which traditionally they enjoyed control. They hold new laws and developmental activities responsible for their plight.

Suppose you are a DM in one such affected district where this movement is going on, what strategies will you adopt to tackle the issues on short term as well as long term basis. Give justification for your strategies. (250 Words) 20.

## समस्या का विश्लेषण

(1) आदिवासियों को संसाधनों के वितरणमूलक न्याय का अभाव

(2) नये कानूनों एवं विकासात्मक गतिविधियों के ~~कारण~~ कारण आदिवासियों में रोष

हितधारक
- आदिवासी समुदाय
- राज्य एवं केंद्र सरकार
- उद्योगपति एवं व्यापारी वर्ग



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

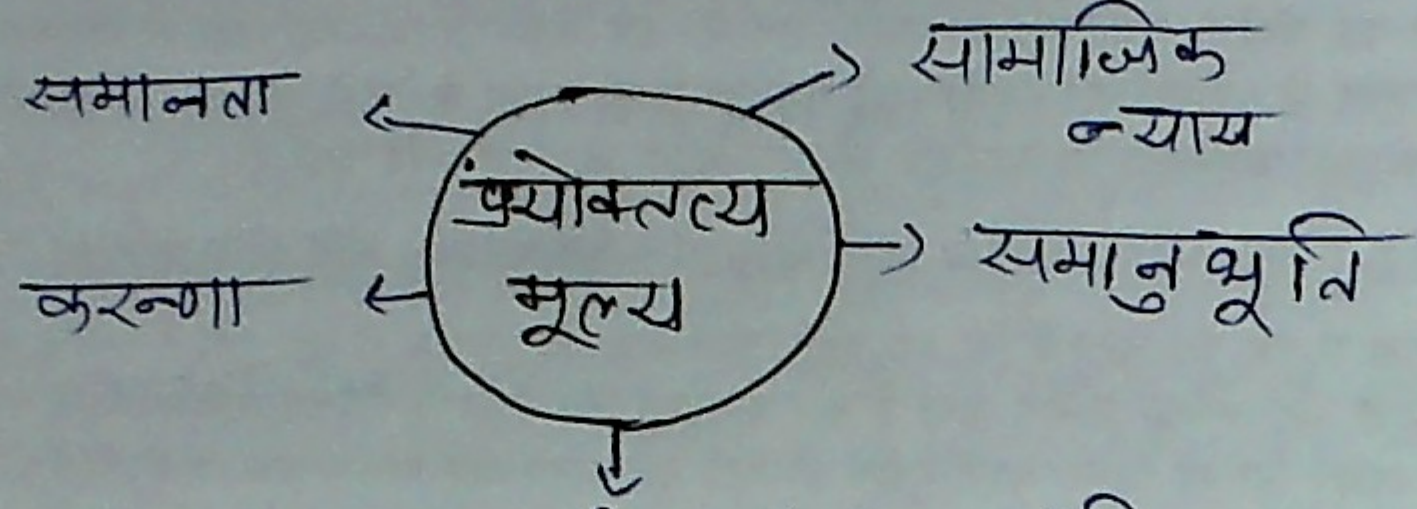

प्रयोक्तव्य मूल्य
- → समानता
- → करुणा
- → सामाजिक न्याय
- → समानुभूति
- → समर्पण (वंचित वर्गों के लिये)

## रणनीति एवं उपाय

### लघुकालिक रणनीति

1. सबसे पहले कानून व्यवस्था का पालन कर शांति का माहौल तैयार करना
2. आदिवासियों से बातचीत कर आंदोलन को शांत कराना एवं उनकी समस्याओं को सुलझाने के लिये विश्वास में लेना
3. आदिवासियों एवं दूसरे हितधारकों के मध्य सुलह कराना
4. आदिवासियों के मुद्दों को ग्रासरूट लेवल पर समझना एवं विश्लेषण करना।

उम्मीदवार ... हाशिये में ... चाहिये। (Candidate... write on th...



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

## दीर्घकालिक रणनीति

चूँकि यह समस्या बहुत बड़ी एवं संवेदनशील है अतः इसका समाधान नीतिगत एवं क्रियान्वयन दोनों ही आधारों से संभव होगा। इसके लिये मैं निम्न सुझाव दूँगा -

(क) आदिवासियों के पारंपरिक अधिकार सुनिश्चित करने के लिये वनों एवं इसके उत्पादों पर उनको अधिकार देना। इसके लिये 'वन अधिकार अधिनियम' को प्रभावी तौर पर लागू करना।

(ख) 'पेसा' के तहत ग्राम सभा को ग्रास रूट पर लागू करना ताकि आदिवासियों को पर्याप्त स्वायत्ता एवं सुशासन दिया जा सके।

(ग) आदिवासियों को रोजगार के साधन उपलब्ध कराने के लिये 'कौशल विकास'



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

को उपलब्ध कराना ताकि वे वनोपज से हस्तनिर्मित वस्तुओं को बेचकर लाभ कमा सके।

(घ) शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सेवा को प्रदान करना ताकि सरकार के प्रति रोष कम हो।

(ङ) कोई भी नयी योजना को 'ग्राम सभा' की सहमति से ही लागू करना।

(च) अन्य हितधारकों एवं आदिवासियों के मध्य सामंजस्य एवं सद्भावपूर्ण संबंध विकसित करना।

उपरोक्त उपायों से आदिवासी आंदोलन को समाप्त किया जा सकेगा तथा उनको रोजगार के नये साधन प्राप्त होंगे।

उम्मीदवार
हाशिये में
चाहिये।
(Candidat
write on t



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. सिद्धांत और उसका परिवार उसके विवाह समारोह को लेकर बेहद उत्साहित थे, क्योंकि बहुत लंबे समय के बाद उनके परिवार में कोई विवाह हो रहा था। लेकिन जैसे ही सिद्धांत विवाह स्थल पर पहुँचा, उसने देखा कि वधु पक्ष द्वारा बुलाए गए बैंड में कई बाल मज़दूर शामिल थे। उत्साहित सिद्धांत अचानक एक अंतर्द्वंद्व झेलते सिद्धांत में बदल गया, क्योंकि एक श्रम आयुक्त होने के नाते यह उसका कर्तव्य था कि वह विधि के इस उल्लंघन को रोके। उसने इस पर मनन किया और एक नए बैंड की व्यवस्था करने, बैंड के मालिक को इस तरह के आचरण में संलग्न होने के लिये नोटिस देने और उसके विरुद्ध मामला दर्ज कराने, जैसे कई विकल्पों पर विचार किया। परंतु सिद्धांत यह सोचते हुए अंततः विवाह के लिये आगे बढ़ गया कि यह उसके जीवन के सबसे महत्त्वपूर्ण दिन को बर्बाद कर देगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(a) क्या सिद्धांत अपने आचरण में सही था?

(b) यदि आप सिद्धांत की जगह होते तो उसके द्वारा विचारित विकल्पों में से आपने किसका चयन किया होता? (250 शब्द)

Siddhant and his family were very excited about his marriage ceremony, as after a very long time a marriage was taking place in their family. But as soon as Siddhant reached marriage venue, he saw that the band arranged by the bride's side had many child laborers who were involved with the band. Excited Siddhant suddenly turned into a conflicted Siddhartha, as being a labor commissioner it was his duty to stop such violation of law. He pondered over it, and thought of many options like arranging a new band immediately, giving notice to the band owner for engaging in such conduct and filing a case against them. But, Siddhant ultimately proceeded with the wedding thinking that it will ruin the most important day in his life.

(a) Was Siddhant right in his conduct?

(b) If you would have been in place of Siddhant, amongst the options pondered by him what would have been your course of action? (250 Words) 20

उपरोक्त मामले में निम्नलिखित नैतिक एवं सामाजिक पक्ष उभरकर सामने आते हैं -

(1) बाल मजदूर की समस्या ( Art 24)

(2) व्यक्तिगत हित बनाम कर्तव्य के प्रति जिम्मेदारी - श्रम आयुक्त के कर्तव्य

हितधारक → बाल मजदूर
→ बैंड मालिक
→ स्वयं सिद्धांत



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(9) सिद्धांत द्वारा किया गया आचरण नैतिक एवं उसकी कर्त्तव्यपरायणता के आधार पर गलत कहा जायेगा। क्योंकि

→ बाल मजदूर- संविधान के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन।

→ श्रम आयुक्त होने के नाते उसने अपने कर्तव्य का पालन नहीं किया।

किंतु सिद्धांत छुट्टी लेकर शादी समारोह में गया था अतः इस आधार पर यह कहा जा सकता है कि श्रम आयुक्त का कर्तव्य उसके सामने नहीं था। लेकिन नैतिक आधार पर देखा ~~जाये~~ जाये तो किसी बच्चे का बाल मजदूरी में शामिल होना गलत है, अतः नैतिक रूप से सिद्धांत का आचरण गलत है।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(b) यदि मैं सिद्धांत की जगह होता तो निम्नलिखित विकल्प अपनाता -

(क) सबसे पहले बैंड की जगह कोई दूसरा बैंड की व्यवस्था करता।

(ख) यदि बैंड मालिक बच्चों को बदलने के लिये मान जाता तो उसी बैंड से काम चलाता। एवं शादी में शामिल होता।

(ग। शादी के बाद बैंड मालिक पर कार्यवाही करता तथा उसे बच्चों को हटाने के लिये विवश करता।

**लाभ**

- परिवार की जिम्मेदारी जैसे शादी को सुचारू रूप से होने देना, पूरी होती।
- नैतिक रूप से बच्चों को बैंड बजाने देना गलत अतः यह भी सही रहता।
- बैंड मालिक पर कार्यवाही से कर्तव्य परायणता



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

## अन्य उपाय

- बच्चों का पुनर्वास एवं शिक्षा के लिये स्कूल में नामांकन
- NGO के माध्यम से बच्चों की शिक्षा को फेड

---



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
*Copyright – Drishti The Vision Foundation*

13. एक भारतीय शहर में अपशिष्ट निपटान और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के मामले में नगर निकाय के अधिकारियों के सुस्त रवैये को लेकर लोगों ने विरोध-प्रदर्शन किया। अधिकारियों के रवैये ने न केवल शहर की स्वच्छता को प्रभावित किया है, बल्कि यह कई प्रकार के रोगों, वायु प्रदूषण, प्रतिकूल व्यापार वातावरण आदि का कारण बन गया है। शहरों में साफ-सफाई और स्वच्छता पर कार्यरत एक गैर-सरकारी संगठन द्वारा एक जनहित याचिका दायर की गई। विषय की खेदजनक स्थिति को देखते हुए, न्यायालय ने नगर आयुक्त को शहर में अपशिष्ट प्रबंधन के लिये किये गए उपायों के संबंध में तीन माह के अंदर प्रगति रिपोर्ट देने का आदेश दिया है। मान लीजिये कि आप नगर आयुक्त हैं तो न्यायालय के आदेश पर अपनी प्रतिक्रिया की चर्चा कीजिये। (250 शब्द)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Lacklustre attitude of municipal authorities in garbage disposal and solid waste management in an Indian city has led to protest by people. This state of affair has not only affected the city's hygiene but has also become a cause of multiple types of diseases, air pollution, unfriendly business environment, etc. A PIL has been filed by an NGO working for cleanliness and hygiene in cities. Seeing the sorry state of affairs, the court has ordered the City Commissioner to give a progress report within three months about the measures taken for proper disposal of garbage and solid waste management in the city. Suppose you are the City Commissioner then discuss your response to the court's order. (250 Words) 20

समस्या का विश्लेषण

(1) स्वच्छता की समस्या एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का विषय।

(2) स्वास्थ्य की समस्या - रोग, वायु प्रदूषण, प्रतिकूल व्यापार वातावरण

नगर आयुक्त के रूप में मेरी प्रतिक्रिया

(1) ठोस अपशिष्ट प्रबंधन - मैं त्वरित रूप से अपशिष्टों के प्रबंधन के लिये एक टास्क फोर्स का गठन



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

करूँगा। यह फोर्स शहर से एकीकृत अपशिष्ट का प्रबंधन करेगी, इसके लिये लगने वाले फेड एवं तकनीक की व्यवस्था की जायेगी।

(2) <u>स्वच्छता</u> - शहर में साफ-सफाई एवं स्वच्छ वातावरण के लिये सफाई कर्मचारियों को आदेश दूँगा। इसकी नियमित निगरानी की व्यवस्था करूँगा। तथा कोई शिकायतकर्ता मुझ तक अपनी शिकायत पहुँचा सके इसकी व्यवस्था करूँगा।

(3) <u>प्रदूषण</u> - शहर में स्वच्छ वायु के लिये वृक्षारोपण किया जायेगा। उद्योगों की निगरानी, वाहनों की जाँच की जायेगी।



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इस प्रकार विभिन्न उपायों के माध्यम से शहर में स्वच्छ व्यापार एवं आवास युक्त वातावरण का निर्माण किया जायेगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)



www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
*Copyright – Drishti The Vision Foundation*